History

डा० भीम राव अंबेडकर जी ने कहा कि गांधी जी क्षणिक भूत की भांति धूल उड़ाते हैं लेकिन स्तर नहीं

Dr. Bhim Rao Ambedkar Said that Gandhiji raises dust like a momentary ghost but not the level.

सांप्रदायिक पंचाट: ब्रिटिश PM रैम्से मैकडोनाल्ड ने 16 Aug. 1932 को कम्यूनल अवार्ड जारी किया। हिन्दु, मुस्लिम — 1909 Act

Communal Award: British PM Ramsay Mac Donald issued the Communal Award on 16 Aug. 1932.

अछुतों को हिन्दुओं से अलग अल्पसंख्यक मानकर पहली बार निर्वाचन तथा प्रतिनिधित्व का अधिकार दिया गया।

The untouchables were considered a minority separate from Hindus and were given the right to election and representation for the first time.

SC

प्रांतीय व्यवस्थापिका सभाओं की सदस्य संख्या बढ़ाकर दुगुनी कर दी गयी तथा दलित वर्ग को 71 सीट सुरक्षित प्रदान की गयी।

The number of members in the provincial legislative assemblies was doubled and 71 seats were

reserved for the Dalit class.

महात्मा गांधी ने पहला आमरण अनशन कम्युनल अवार्ड के समय प्रारंभ किया।
Mahatma Gandhi started his first fast unto death during the Communal Award.
→ यरवदा जेल (पुणे)

पूना समझौता 24 Sep 1932 (गांधी जी और अंबेडकर के बीच) Poona Pact 24 Sep 1932 (between Gandhiji and Ambedkar)
पूना जेल
गांधी जी यरवदा जेल में थे।
Gandhiji was in yerwada Jail

हिन्दुओं की तरफ से हस्ताक्षर पंडित मदन मोहन मालवीय ने किया।
Pandit Madan Mohan Malviya Signed on behalf of Hindus.

सांप्रदायिक अवार्ड एवं पूना पैक्ट में क्रमशः दलित वर्ग के लिए 71 व 148 सीटें प्रदान की गयी।
In the Communal Award and Poona pact 71-148 Seats were allotted to Dalits respectively.

पूना समझौता का उद्देश्य - दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देना।
Objective of poona Pact - To give representation to Dalits.

अखिल भारतीय हरिजन संघ / Akhal Bhartiya Harijan Sangh

पूर्व नाम ⇒ All India Untouchability league
स्थापना ⇒ 1932 / Founded - 1932
संस्थापक ⇒ महात्मा गांधी जी / Founder - Mahatma Gandhi
प्रथम अध्यक्ष ⇒ घनश्याम दास बिड़ला
First President = Ghanshyam Das Birla

व्यक्तिगत सत्याग्रह 17 Oct. 1940 / Individual Satyagraha 17 Oct 1940
पवनार आश्रम (महाराष्ट्र) से शुरू
Started from Pavanar Ashram (Maharashtra)
प्रथम सत्याग्रही विनोता भावे → गांधी जी के राजनैतिक उत्तराधिकारी
First Satyagrahi Vinoba Bhave → Gandhiji's political Successor
IInd सत्याग्रही → जवाहर लाल नेहरू / IInd Satyagrahi → Jawaharlal Nehru
IIIrd सत्याग्रही → ब्रह्मदत्त IIIrd Satyagrahi → Brahmadatta

- भूदान आंदोलन ⇒ 1951
  - पोचमपल्ली (आंध्र प्रदेश)
    - वर्तमान (तेलंगाना)

भारत छोड़ो आंदोलन / Quit India Movement

14 July 1942 को वर्धा में आयोजित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पेश किया गया।

The Quit India Movement proposal was passed in the Congress working Committee meeting held in Wardha (महाराष्ट्र) On 14 July 1942.

अध्यक्षता ⇒ मौलाना अबुल कलाम आजाद.

Chairperson ⇒ Maulana Abul kalam Azad.

गांधी जी ने प्रस्ताव के विरोधियों को चुनौती देते हुए कहा कि देश के बालू से ही कांग्रेस से बड़ा आन्दोलन खड़ा कर दूंगा।

Gandhiji Challenged the opponents of the proposal and said that he would start a movement bigger than the Congress with the Sand of the Country.

अंग्रेजों भारत छोड़ो प्रस्ताव - 8 Aug. 1942 को मुम्बई में ग्वालिया टैंक मैदान में मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में नेहरू जी ने भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव पारित हुआ। → 8 Aug. 1942

Quit India proposal - On 8 Aug. 1942, Nehru ji presented the proposal of Quit India movement in the meeting of All India Congress Committee held in Mumbai's Gowalia Tank Maidan under the Chairmanship of Maulana Abul Kalam Azad. This proposal was passed.

भारत छोड़ो प्रस्ताव का (ड्राफ्ट) गांधी जी ने नेहरू व मौलाना आजाद के सहयोग से तैयार किया था। → प्रारूप

The Quit India proposal (draft) was prepared by Gandhiji with the help of Nehru and Maulana Azad.

8 Aug. 1942 को मुम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान से कांग्रेस का झण्डा अरुणा आसफ अली ने फहराया था। On 8 Aug. 1942, the Congress flag was hoisted by Aruna Asaf Ali from Mumbai's Gowalia Tank Maidan.

भारत छोड़ो का नारा - यूसुफ मेहर अली
Quit India Slogan - Yusuf Meher Ali

आंदोलन प्रारंभ - 9 Aug. 1942 Movement started - 9 Aug. 1942

गांधी जी ने "करो या मरो" का नारा दिया।
Gandhiji gave the slogan of "Do or Die"

लाल बहादुर शास्त्री ने मरो नहीं मारो का नारा दिया।
Lal Bahadur Shastri gave the slogan of "Maro Nahi Maro".

प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी [Arrest of major leaders]

ऑपरेशन जीरो आवर - के तहत ब्रिटिश सरकार ने 9 Aug. तक सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तारी कर लिया।
Under Operation Zero Hour, the British government arrested all the major leaders by 9 Aug.

गांधी जी को गिरफ्तार करके सरोजनी नायडू सहित आगा खाँ पैलेस (पुना) में रखा गया Gandhiji was arrested and kept in Aanga khan palace (Pune) along with Sarojini Naidu.

कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य - गोविंद वल्लभ पंत पट्टाभि सीतारमैय्या, आचार्य जे० बी० कृपलानी, प्रफुल्ल चंद्र घोष आदि को गिरफ्तार करके अहमद नगर जेल में रखा गया।

Members of the Congress Working Committee - Govind Ballabh Pant, Pattabhi Sitaramaiya, Acharya J. B. Kripalani, Prafulla Chandra Ghosh etc. were arrested and keep in Ahmednagar jail.

डा० राजेन्द्र प्रसाद को बांकीपुर जेल (पटना) व जयप्रकाश नारायण को हजारी बाग सेंट्रल जेल में गिरफ्तार करके रखा गया।

Dr. Rajendra prasad was arrested and kept in Bankipur Jail (Patna) and jayaprakash Narayan was arrested and kept in Hazaribagh Central Jail.

शिवकुमार व रामानंद को हजारी बाग में गिरफ्तार किया गया।

Shivkumar and Ramanand were arrested in Hazaribagh.

हम भारत को या तो आजाद के प्रयास में दिवंगत हो भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ा है।
We will either liberate India or die in the effort to liberate India is associated with the Quit India movement.

1942 में कांग्रेस के मुम्बई अधिवेशन में पं० जवाहर लाल नेहरू द्वारा भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया गया था।
The Quit India resolution was passed by PT. Jawah lal Nehru in the Mumbai Session of the Congress in 1942.

भारत छोड़ो आन्दोलन के समय कांग्रेस रेडियो का प्रसारण उषा मेहता ने किया था। During the Quit India Movement the Congress Radio was broad cast by Usha Mehta

Imp.

राम मनोहर लोहिया नियमित रूप से रेडियो पर प्रसारण करते थे।
Ram Manohar Lohia used to broadcast on the radio regularly

भारत छोड़ो के समय G.G लिनलिथगो
During the Quit India Movement. G.G - Linlithgow

लिनलिथगो ने गांधी जी के आन्दोलनों को राजनैतिक फिरौती कहा था।
Linlithgow had called Gandhiji's movements as political ransom.

सुभाष चन्द्र बोस ने बर्लिन रेडियो से बोलते हुए इस आंदोलन को अहिंसक गुरिल्ला युद्ध कहा था।
Subhash Chandra Bose, while speaking on Berlin Radio, had called this movement a non-violent guerrilla war.

British PM - विंस्टन चर्चिल / British PM - Winston Churchill
भारत का प्रधान सेनापति - वेवेल / Commander-in-Chief of India - Wavell

अमेरिकी पत्रकार जो महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान उनके साथ था - लई फिशर American journalist who was with Mahatma Gandhi during the Quit India Movement - Lai Fisher

इस आन्दोलन के दौरान U.P. राज्य बलिया जिले में चितू पांडे ने समानांतर सरकार का गठन किया।
During this movement, Chittu pandey formed a parallel government in Ballia district of U.P State